आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 135 | उज्जैन, मंगलवार 08 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर के विकास में नए अध्याय के रूप में जुड़ने जा रहे

आरओबी का करेंगे वर्चुअल लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर के विकास में नए अध्याय के रूप में जुड़ने जा रहे नवनिर्मित आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) को मंगलवार 8 अप्रैल को जनता को समर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस आरओबी का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। चंद्रबदनी नाका से न्यू कलेक्ट्रेट मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग क्रमांक-418 पर विवेकानंद नीडम के समीप लगभग 42 करोड 80 लाख रूपए की लागत से यह आरओबी बनकर तैयार हुआ है। लोकार्पण कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, उद्यानिकी एवं सामाजिक न्याय मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह तथा ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी शामिल होंगे।मंगलवार 8 अप्रैल को अपरान्ह 3.30 बजे यहाँ नाका चंद्रबदनी की ओर संभाग आयुक्त कार्यालय के समीप आरओबी का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित होगा। लोकार्पण कार्यक्रम में सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, महापौर श्रीमती डॉ. शोभा सिकरवार, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार व नगर निगम सभापति श्री मनोज सिंह तोमर सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण बतौर विशिष्ट अतिथि आमंत्रित किए गए हैं।

लोक निर्माण विभाग और रेलवे द्वारा लगभग 937 मीटर लम्बाई और 76 मीटर स्पान में 42 करोड़ 80 लाख रूपए की लागत से इस आरओबी का निर्माण किया गया है। रेलवे द्वारा आरओबी के 37 मीटर भाग का निर्माण किया गया है। इस आरओबी के प्रारंभ हो जाने से एजी ऑफिस ब्रिज पर यातायात का दबाव कम होगा। साथ ही लश्कर कम्पू से लेकर अन्य बस्तियों के निवासियों को कलेक्ट्रेट व न्यू सिटी सेंटर की बस्तियों एवं हाईवे तक जाने में कम दूरी तय करनी पड़ेगी। साथ ही जाम से मुक्ति मिलेगी।

मुख्यमंत्री 2 छात्रावासों का भी करेंगे वर्चुअल लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. यादव आरओबी के साथ-साथ लगभग 7 करोड 87 लाख रूपए की लागत से नवनिर्मित अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास भवन ठाटीपुर व अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास भवन सिरोल का भी वर्चुअली लोकार्पण करेंगे।

तमिलनाडु में स्टालिन के मंत्री के घर ED की छापामारी, रियल एस्टेट कंपनी से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ED ने सोमवार को तमिलनाडु में कई स्थानों पर छापेमारी की। ED ने तमिलनाडु के नगर प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू के भाई रविचंद्रन की निर्माण कंपनी के परिसरों पर छापे मारे। छापेमारी एक रियल एस्टेट समूह के खिलाफ जांच के तहत की गई है। एन. नेहरू के भाई केएन रविचंद्रन कंपनी के प्रमोटर हैं।

सूत्रों के अनुसार, ईडी चेन्नई के प्रमुख इलाकों जैसे तेनाम्पेट, अलवरपेट, बेसेंट नगर, सीआईटी कॉलोनी और एमआरसी नगर में 10 से अधिक निजी निर्माण फर्मों और परियोजना स्थलों पर तलाशी ले रही है। बताया जाता है कि ये छापे संदिग्ध अवैध वित्तीय लेनदेन की जांच का हिस्सा हैं।

चल रही तलाशी के समापन के बाद जांच का पूरा दायरा, जिसमें जब्त किए गए किसी भी दस्तावेज या सामग्री का खुलासा होने की उम्मीद है।

यह रेड तमिलनाडु के शराब व्यापार क्षेत्र के खिलाफ ईडी की हालिया कार्रवाई के बाद हुई है। 6 मार्च को, एजेंसी ने तमिलनाडु राज्य विपणन निगम के अंदर कथित अनियमितताओं से जुड़े बड़े पैमाने पर छापे शुरू किए, जो राज्य में भारतीय निर्मित विदेशी शराब के वितरण पर एकाधिकार रखता है।

गुंटूर में 4 साल के मासूम पर कुत्ते का हमला, तड़प-तड़पकर तोड़ा दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश से एक हादसे की खबर सामने आई है। पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि स्वर्ण भारती नगर में आवारा कुत्ते के हमले में चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई।

घटना रविवार शाम को हुई जब बच्चा अपने घर के पास खेलने के लिए निकला था। अधिकारी ने बताया कि एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला किया और उसकी गर्दन पर काट लिया, जिससे उसके गले की नस में गंभीर चोट आई।

आम नहीं है ऐसी घटना- पुलिस अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, इस तरह की घटनाएं इस इलाके में आम नहीं हैं और स्थानीय लोग आमतौर पर कुत्तों के प्रति संवेदनशील होते हैं। नतीजतन, नगर निगम के अधिकारियों को आवारा कुत्तों को दूसरी जगह भेजने या उनकी नसबंदी करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कुत्ते द्वारा लड़के पर हमला करने के बाद, आसपास के बच्चों ने उस कुत्ते को पत्थर मारकर भगा दिया।

छोटी मछलियों के पीछे क्यों पड़े, लालू के करीबी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची ईडी से जज ने पूछा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे में जमीन के बदले नौकरी स्कैम से जुड़े धन शोधन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) को बड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में सोमवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के करीबी व्यवसायी अमित कत्याल को मिली जमानत के खिलाफ दाखिल ईडी की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

ईडी ने जमानत का किया विरोध- जस्टिस एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने सोमवार को मामले की सुनवाई की। पीठ ने कहा कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं है। दिल्ली हाई कोर्ट ने पिछले साल 17 सितंबर को अमित कत्याल को जमानत दी थी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय का आदेश कानून की दृष्टि से गलत है और इसे रद किया जाना चाहिए।

11 अन्य आरोपितों को क्यों नहीं पकड़ा- कत्याल मामले में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि कोई बड़ी मछली नहीं है। अभी तक मुख्य व्यक्तियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पीठ ने ईडी से पूछा कि केवल छोटी मछलियों के पीछे क्यों पड़े हैं? क्या आप उनके पीछे जाने से डरते हैं, आपने 11 अन्य आरोपितों को गिरफ्तार क्यों नहीं किया है?

2023 में ईडी ने अमित को किया था गिरफ्तार - ईडी ने अमित कत्याल को 10 नवंबर 2023 को धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। हालांकि पिछले साल 17 सितंबर को कत्याल को दिल्ली हाई कोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

वक्फ कानून के खिलाफ जल्द हो सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट पहुंचे कपिल सिब्बल को CJI ने याद दिलाया सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने वक्फ काननू पर सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई का अनुरोध किया है। इसके बाद चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कपिल सिब्बल और अन्य को आश्वासन दिया कि वह याचिकाओं को सूचीबद्ध करने पर निर्णय लेंगे।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर गौर किया। पीठ ने कहा कि याचिकाओं को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कई अन्य याचिकाएं पहले ही दायर की जा चुकी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी, जिसे पहले दोनों सदनों में गरमागरम बहस के बाद संसद द्वारा पारित किया गया था।

%देश के संविधान पर हमला है कानून%

अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं, जिनमें समस्त केरल जमीयतुल उलेमा की एक याचिका भी शामिल है, सर्वोच्च न्यायालय में दायर की गई हैं। अपनी याचिका में, जमीयत उलमा-ए-हिंद ने कहा है कि यह कानून देश के संविधान पर सीधा हमला है, जो न केवल अपने नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है, बल्कि उन्हें पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता भी प्रदान करता है।

जमीयत उलमा-ए-हिंद ने आगे कहा, यह विधेयक मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता को छीनने की एक खतरनाक साजिश है।

वीवीपीएटी की होगी 100त्न मैन्युअल गिनती? याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें चुनाव के दौरान चुनाव आयोग को कंट्रोल यूनिट द्वारा इलेक्ट्रॉनिक गणना के अलावा मतदाता सत्यापित पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों की 100 प्रतिशत मैन्युअल गिनती करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। दरअसल, CJI संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ इस मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ हंस राज जैन की याचिका पर विचार कर रही थी।

बिहार, बंगाल और तमिलनाडु के लिए क्या है अमित शाह का प्लान?, विधानसभा चुनाव के लिए बनाई ये रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा तीन राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चुनावी मोड में आ चुकी है। पार्टी के चाणक्य और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसी के चलते बिहार, बंगाल और तमिलनाडु का चुनाव हो जाने तक हर महीने दो-दो दिन का दौरा कर पार्टी की चुनाव तैयारियों को बूस्टर डोज देंगे।

पार्टी सूत्रों के अनुसार भाजपा इन तीन बड़े राज्यों बिहार, बंगाल और तमिलनाडु में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत जोंकने को संकल्पबद्ध है। इसीलिए शाह शुक्रवार को संसद सत्र का अवसान होते ही तत्काल चुनाव मिशन पर निकलने को तत्पर हैं। अप्रैल माह से ही वह इन तीनों राज्यों में हर महीने अपना दौरा करेंगे।

30 अप्रैल को बिहार जाएंगे अमित शाह- शाह 30 अप्रैल को बिहार जाएंगे और वहां एक मई तक राज्य के नेताओं के साथ भाजपा की चुनाव तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इसी तरह वह बंगाल में भी 14-15 अप्रैल को अपने चुनावी दौरों की शुरुआत करेंगे, जो हर महीने वहां चुनाव हो जाने तक जारी रहेगी। अमित शाह तमिलनाडु में अपना पहला चुनावी दौरा 10 और 11 अप्रैल को करेंगे। इस यात्रा के दौरान वह चेन्नई में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें करेंगे। ताकि वहां पर भाजपा की चुनावी तैयारियों का सही मूल्यांकन किया जा सके। वह तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक से गठजोड़ पर भी चर्चाओं को आगे बढ़ाएंगे। वह चेन्नई में भाजपा नेताओं के साथ ही राजग के घटक दलों से भी मुलाकात करेंगे। उल्लेखनीय है कि बिहार में इसी साल नवंबर तक विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है जबकि बाकी दो राज्यों बंगाल व तमिलनाडु में अगले साल चुनाव होने की उम्मीद है।

तेल की कीमतें कम हो गई हैं, महंगाई..., Tariff War के बीच ट्रंप के दावे से एक्सपर्ट्स भी हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच क्रूड ऑयल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला रुक नहीं रहा। ब्रेंट क्रूड सोमवार को 4 प्रतिशत टूटकर 64 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया।

यह अप्रैल 2021 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। ट्रंप के रिसिप्रोकल टैरिफ के बाद ग्लोबल मार्केट में जबरदस्त हलचल है। इसी बीच ट्रंप ने दावा किया है कि तेल की कीमतें कम हो गई है। कोई मुद्रास्फीति (महंगाई) नहीं है। जबकि विशेषज्ञों ने मंदी के उच्च जोखिम की चेतावनी दी है।

मुद्रास्फीति को लेकर क्या बोले ट्रंप- ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा, तेल की कीमतें कम हो गई हैं, ब्याज दरें कम हो गई हैं (धीमी गति से चलने वाले फेड को दरों में कटौती करनी चाहिए!), खाद्य पदार्थों की कीमतें कम हो गई हैं, कोई मुद्रास्फीति नहीं है, और लंबे समय से दुर्व्यवहार का शिकार अमेरिका पहले से लागू टैरिफ का दुरुपयोग करने वाले देशों से प्रति सप्ताह अरबों डॉलर कमा रहा है।

ट्रंप ने चीन पर साधा निशाना- उन्होंने टैरिफ के मामले में चीन को सबसे बड़ा दुरुपयोगकर्ता बताया है। ट्रंप ने आगे लिखा,चीन के बाजार लगातार गिर रहे हैं। इसके बावजूद उसने अपने टैरिफ में 34 फीसदी की बढ़ोतरी की है, जो कि हास्यास्पद है। चीन ने दशकों से अमेरिका का फायदा उठाया है।

उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पुराने नेताओं को इसके लिए दोषी ठहराना चाहिए। बता दें कि उन्होंने बिना नाम लिए अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधा है। ट्रंप ने आखिर कहा कि हमें फिर से अमेरिका को महान बनाना चाहिए।

भारतीय बाजार पर दिखा अमेरिकी टैरिफ का असर- बात करें भारतीय शेयर बाजार की तो आज 7 अप्रैल सोमवार को शेयर बाजार में हड़कंप मच गया। प्री ओपन में ही शेयर बाजार का बीएसई सेंसेक्स 4000 अंक तक लुढ़क चुका था। वहीं एनएसई निफ्टी 11,00 अंक तक गिरा था। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 2226 अंक गिरकर 73,137 पर क्लोज हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 742 अंक लुढ़ककर 22,161 पर बंद हुआ है। अमेरिकी टैरिफ का असर भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है। अमेरिकी टैरिफ का अलावा शेयर बाजार में बिकवाली के और भी कई कारण हो सकते हैं।

सऊदी अरब ने भारत-पाकिस्तान समेत 14 देशों के वीजा पर लगाया बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब ने भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश सहित 14 देशों के नागरिकों को वीजा जारी करने पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। उमराह, व्यापार और पारिवारिक यात्रा वीजा पर बैन जून के मध्य तक प्रभावी रहेगा, जो मक्का की तीर्थयात्रा के समापन के साथ मेल खाता है।

यह बैन भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मिस्र, इंडोनेशिया, इराक, नाइजीरिया, जॉर्डन, अल्जीरिया, सूडान, इथियोपिया, ट्यूनीशिया, यमन और मोरक्को सहित 14 देशों पर लागू है। पाकिस्तान के एआरवाई ने सऊदी अधिकारियों के हवाले से इसकी जानकारी दी है।

क्यों उठाया गया ये कदम- यह कदम कथित तौर पर व्यक्तियों को उचित रजिस्ट्रेशन के बिना हज करने की कोशिश करने से रोकने के लिए उठाया गया था। हालांकि, उमराह वीजा रखने वाले व्यक्ति अभी भी 13 अप्रैल तक सऊदी अरब में प्रवेश कर सकते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंध की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि कई विदेशी नागरिक अतीत में उमराह या यात्रा वीजा पर देश में प्रवेश कर चुके हैं और फिर आधिकारिक प्राधिकरण के बिना हज में भाग लेने के लिए अवैध रूप से अधिक समय तक रुके हैं, जिससे भीड़भाड़ और भीषण गर्मी हो रही है। 2024 में हज के दौरान ऐसी ही एक घटना में कम से कम 1,200 तीर्थयात्री मारे गए थे।

फैसले के उल्लंघन पर मिलेगी सजा- राज्य में एक कोटा प्रणाली है, जो तीर्थयात्रियों की संख्या को विनियमित करने के लिए प्रत्येक देश को विशिष्ट हज स्लॉट आवंटित करती है। हज में अवैध रूप से भाग लेने वाले लोग इस प्रणाली को दरकिनार कर देते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों ने प्रभावित यात्रियों से नए नियमों का पालन करने को कहा है, क्योंकि आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को भविष्य में प्रवेश पर पांच साल का प्रतिबंध झेलना पड़ सकता है।

कब से कब तक है हज- इस बीच, राजनयिक वीजा, निवास परमिट और हज के लिए विशेष वीज़ा इस कदम से अप्रभावित रहेंगे। हज 2025 का सीजन 4-9 जून के लिए निर्धारित है।

अमेरिका में तूफान और बाढ़ का कहर, पानी में रेल पुल बहा; अब तक 16 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के दक्षिणी और मध्य-पश्चिमी इलाकों में तूफान और अचानक आई बाढ़ ने कहर बरपा रखा है। इसके कारण 16 लोगों की मौत हो गई। बाढ़ का पानी अचानक सड़कों पर आ जाने के कारण वाहन बह गए। इसने रेलवे पुल को भी नुकसान पहुंचाया है।

मौसम के और खराब होने की आशंका है। मौसम विज्ञानियों ने शनिवार को कहा कि बुधवार से केंटकी के कुछ हिस्सों में 30.5 सेंटीमीटर से अधिक बारिश हुई है, जबकि अर्कांसस और मिसौरी के कुछ हिस्सों में 20 सेंटीमीटर से अधिक बारिश हुई है। इस मौसम के लिए गर्म तापमान, अस्थिर वातावरण, तेज हवा के झोंके और खाड़ी से आने वाली प्रचुर मात्रा में नमी जिम्मेदार है।

24 घंटे में 5 फीट बढ़ा जलस्तर- इससे आने वाले दिनों में जलमार्गों का जलस्तर और बढ़ सकता है। लुइसविले के मेयर क्रेग ग्रीनबर्ग ने कहा कि ओहियो नदी का जलस्तर 24 घंटे में पांच फीट बढ़ गया है। अभी और बढ़ने की आशंका है। यह लुइसविले के इतिहास में सबसे बड़ी 10 बाढ़ की घटनाओं में से एक हो सकती हैं।

हमास ने इजरायल पर एक साथ दागे कई रॉकेट, बोला- नरसंहार का यही है जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कई महीनों से चले आ रहे संघर्ष के बीच रविवार को गाजा और इजरायल के बीच एक बार फिर हालात बिगड़ गए। हमास ने दक्षिणी इजरायल के शहरों पर रॉकेट दागे, जिनमें से अधिकांश को इजरायली रक्षा प्रणाली ने हवा में ही नष्ट कर दिया। हमास का दावा है कि यह हमला गाजा में इजरायली सेना द्वारा किए जा रहे नरसंहारों के जवाब में किया गया है।

इजरायली सेना के मुताबिक, कुल करीब 10 रॉकेट दागे गए, जिनमें से ज्यादातर को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर लिया गया। लेकिन एक रॉकेट दक्षिणी शहर अशकलोन में आकर गिरा, जिससे एक व्यक्ति घायल हुआ।

अशकलोन में रॉकेट गिरा, एक घायल- इजरायल की आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि घायल व्यक्ति को छर्रे लगे हैं और उसे इलाज दिया जा रहा है। घटनास्थल पर राहत और बचाव टीमें भेज दी गई हैं। इजरायली आपात सेवाओं द्वारा साझा किए गए वीडियो में टूटी हुई कारें और सड़क पर बिखरा मलबा दिखाई दे रहा है।

ट्रंप को फुसलाने लगे मोहम्मद यूनुस, खास दोस्त को दे दिया तगड़ा गिफ्ट; कहीं टैरिफ से बचने की चाल तो नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को बांग्लादेश पर 37 फीसदी टैरिफ का एलान किया तो मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में हड़कंप मच गया। जानकारों का मानना है कि इससे बांग्लादेश के गारमेंट्स सेक्टर को तगड़ा झटका लगेगा, क्योंकि बांग्लादेश के निर्यात में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इसी सेक्टर की है।

मगर अब मोहम्मद यूनुस डोनाल्ड ट्रंप को फुसलाने में जुट गए हैं। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के खास दोस्त एलन मस्क को बड़ा तोहफा दिया है। बांग्लादेश में एलन मस्क के स्टारलिंक को हरी झंडी मिल गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश निवेश विकास प्राधिकरण ने स्टारलिंक को औपचारिक मंजूरी दे दी है। कंपनी अब बांग्लादेश में इंटरनेट सेवा शुरू कर सकती है। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा प्रदान करती है। इसका स्वामित्व स्पेसएक्स के पास है।

एक प्रेस वार्ता में बीडा और बांग्लादेश आर्थिक क्षेत्र प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष चौधरी आशिक महमूद बिन हारुन ने कहा कि हमने पिछले महीने की 29 तारीख को स्टारलिंक को मंजूरी दी थी। फरवरी महीने में मोहम्मद यूनुस और एलन मस्क के बीच बातचीत भी हो चुकी है।

माना जा रहा है कि स्टारलिंक के आने के बाद बांग्लादेश के दूर-दराज के क्षेत्रों में हाई स्पीड इंटरनेट उपलब्ध होगा। इसके अलावा व्यापार, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद है।

आशिक महमूद ने कहा कि स्टारलिंक ने बीडा में अपना पंजीकरण करा लिया है। बता दें कि किसी भी विदेशी कंपनी को बांग्लादेश में काम करने से पहले बीडा से मंजूरी लेना अनिवार्य है।

नेतन्याहू को किससे खतरा? ट्रंप से मिलने 400KM ज्यादा घूमकर US क्यों गए इजरायली प्रधानमंत्री?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और गाजा के बीच युद्ध विराम महज एक मजाक बनकर रह गया है। दोनों गुटों, यानी हमास और इजरायली सेना की ओर से बमबारी जारी है। रविवार को हुए ताजा हमलों में कम से कम 32 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इसी बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका पहुंच चुके हैं।

थोड़ी देर में ट्रंप से उनकी मुलाकात होने वाली है। हालांकि, ट्रंप से मिलने के लिए इजरायली पीएम को 400 किलोमीटर का एक्स्ट्रा हवाई यात्रा करना पड़ा है। इसके पीछे की वजह भी सामने आ चुकी है।

नेतन्याहू ने क्यों तय किया लंबा रास्ता- दरअसल, नेतन्याहू के विमान ने हंगरी से अमेरिका की उड़ान के दौरान सामान्य मार्ग से करीब 400 किलोमीटर लंबा रास्ता तय किया ताकि वो उन देशों के हवाई क्षेत्र में दाखिल न हों जो आपराधिक न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट को लागू कर सकते थे।

यह जानकारी इजरायली अखबार Haaretz की रिपोर्ट में सामने आई है। बता दें कि गाजा में युद्ध की वजह से ICC ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी की है। गौरतलब है कि अगर नेतन्याहू उन देशों की यात्रा करते हैं, जहां ICC के नियम माने जाते हैं, वहां नेतन्याहू की गिरफ्तारी हो सकती है।

अमेरिका पहुंचने से पहले नेतन्याहू हंगरी के दौरे पर थे। वहां उन्होंने प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन से बातचीत की।

वेस्ट बैंक जा रहीं दो ब्रिटिश सांसदों को इजरायल ने हिरासत में लिया, क्या है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने रविवार को दो ब्रिटिश सांसदों को एयरपोर्ट पर रोककर उन्हें हिरासत में ले लिया। दोनों महिला सांसद संसदीय दल के साथ फलस्तीनी बहुल वेस्ट बैंक के दौरे पर जा रही थीं। ब्रिटेन ने इजरायल के इस कदम को अस्वीकार्य बताया है।

इंग्लैंड की शेफील्ड सेंट्रल सीट से निर्वाचित अब्दीसम मुहम्मद और इयर्ले की सांसद युआन यांग ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट संयुक्त बयान में कहा है कि वे इस अप्रत्याशित स्थिति से चकित हैं।

इजरायल के खिलाफ हेट स्पीच का लग रहा आरोप- इजरायल के आव्रजन अधिकारियों ने कहा कि इन ब्रिटिश सांसदों को इसलिए रोका गया क्योंकि वे पूर्व में इजरायली विरोधी घृणास्पद भाषण देती रही हैं। वे हमास के साथ चल रहे युद्ध के बीच सुरक्षा बलों से पूछताछ करने के लिए जा रही थीं। प्रतिक्रिया में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा, ÷संसदीय दल के साथ गईं ब्रिटिश सांसदों को रोकना और उन्हें हिरासत में लेने का इजरायली कदम अस्वीकार्य और गंभीर है। हम इजरायल सरकार से स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि ब्रिटिश सांसदों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। हम दोनों सांसदों के संपर्क में हैं।÷

दोनों सांसदों ने बताया है कि उनके दौरे की व्यवस्था फलस्तीनियों को सहायता मुहैया कराने वाली संस्थाओं ने की थी और उन्हें संसदीय दलों में जाने का अनुभव भी है।

पुराने से कितना अलग है नया वक्फ कानून; किस पर है इसको लागू करने की जिम्मेदारी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वक्फ संशोधन विधेयक, 2025 अब कानून बन गया है। वक्फ के वास्तविक उद्देश्य और जमीनी हकीकत को लेकर वक्फ बोर्ड पर लंबे समय से सवाल उठ रहे थे। वक्फ कानून के तहत बोर्ड को मिले असीमित अधिकारों का नतीजा था कि वक्फ को लेकर ऐसे दावे भी सामने आए, जहां पूरे गांव और सैकड़ों वर्ष पुराने मंदिर को वक्फ संपत्ति बता दिया गया।

वक्फ कानून की खामियों को दूर करने के बाद सरकार के सामने यह बड़ी चुनौती होगी कि नए प्रावधान को प्रभावी तरीके से लागू किया जाए, जिससे वक्फ संपत्तियों से उसकी वर्तमान कीमतों के हिसाब से आय सुनिश्चित हो सके और राशि गरीब मुसलमानों,विधवा महिलाओं और अनाथ बच्चों के कल्याण पर खर्च हो।

संशोधित कानून को लागू करने की अहम जिम्मेदारी राज्यों की है क्योंकि जमीन राज्यों का विषय है। राज्य सरकारें कानून की मूल भावना के साथ इसके प्रावधानों को कितने प्रभावी तरीके से लागू कर पाएंगी, इसकी पड़ताल अहम मुद्दा है।

क्या है वक्फ - वक्फ कानून 1995 के मुताबिक, वक्फ का अर्थ है किसी चल-अचल संपत्ति को स्थायी तौर पर उन कार्यों के लिए दान करना, जिन्हें इस्लाम में पवित्र और धार्मिक माना जाता है।

वक्फ का उपयोग क्या है- वक्फ संपत्तियों या इससे होने वाली आय का उपयोग मस्जिद और कब्रिस्तान के रख-रखाव, शिक्षण संस्थाओं और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं का प्रबंधन करने और और गरीबों व विकलांगों की मदद करने के लिए की जानी चाहिए, ऐसी उम्मीद की जाती है।

घरेलू रसोई गैस हुई महंगी; उ वला योजना वाले सिलेंडर के भी दाम बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में (07 अप्रैल) बढ़ोतरी करने का फैसला कर दिया है। सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपये बढ़ोतरी की गई है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह जानकारी दी है। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक, मंगलवार, 8 अप्रैल से एलपीजी की कीमतों में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। इससे पहले सरकार ने पेट्रोल-डीजल की एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। पीएमयूवाई लाभार्थियों को जो सिलेंडर अब तक 500 रुपये में मिल रहे थे, वो अब 550 रुपये में मिलेंगे। वहीं, गैर लाभार्थियों को मिलने वाली सिलेंडर गैस की कीमत 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी।

अब सिलेंडर गैस की कीमत 853 रुपये हो गई - केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, एलपीजी के प्रति सिलेंडर की कीमत 50 रुपये बढ़ेगी। 500 से यह 550 (पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए) हो जाएगी और अन्य के लिए यह 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी।

सरकार ने दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाई एक्साइज ड्यूटी, क्या पेट्रोल-डीजल होगा महंगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार (07 अप्रैल) को पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने का फैसला कर लिया है। राजस्व विभाग की अधिसूचना के मुताबिक, केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर 2-2 रुपए उत्पाद शुल्क बढ़ा दिया है। पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें 8 अप्रैल से लागू होंगी। आधिकारिक आदेश के अनुसार पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया गया है। बता दें कि एक्साइज ड्यूटी केंद्र सरकार द्वारा लगाया जाने वाला टैक्स है, जो ईंधन की कीमत का एक बड़ा हिस्सा बनाता है।

क्या खुदरा कीमतों में होगी बढ़ोतरी- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जानकारी दी कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने सूचित किया है कि आज उत्पाद शुल्क दरों में की गई वृद्धि के बाद पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी।

इस पूरे मामले पर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा,÷आपने वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना देखी होगी, जिसमें कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपये की बढ़ोतरी की जा रही है। मैं रिकॉर्ड पर पहले ही स्पष्ट कर दूं कि इसका बोझ उपभोक्ता पर नहीं डाला जाएगा।

कच्चाथीवू द्वीप चर्चा में क्यों, भारत का था तो फिर श्रीलंका को कैसे मिला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया श्रीलंका यात्रा के दौरान कच्चाथीवू द्वीप एक बार फिर चर्चा में आ गया। पीएम मोदी की श्रीलंका यात्रा से पहले विपक्षी दल कांग्रेस और तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके समेत कई पार्टियों ने सरकार पर श्रीलंकाई सरकार संग इस मुद्दे को उठाने और इसे सुलझाने के लिए दबाव बनाया था।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा था कि कच्चाथीवू द्वीप तमिलनाडु के मछुआरों के लिए जीवन और मौत का सवाल बन गया है, इसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पीएम मोदी के श्रीलंका के दौरे से लौट आने के बाद पर भी यह चर्चा में है।

कच्चाथीवू द्वीप क्या है- कच्चाथीवू द्वीप, भारत और श्रीलंका के बीच पाक जलडमरूमध्य में 285 एकड़ में फैला एक निर्जन द्वीप है। यह बंगाल की खाड़ी और अरब सागर को जोड़ता है। रामेश्वरम के उत्तर-पूर्व में कच्चाथीवू द्वीप भारत से 22 किमी दूर और श्रीलंका के जाफना जिले से करीब 16 किलोमीटर है। द्वीप पर सेंट एंथोनी चर्च है। 14वीं शताब्दी में एक ज्?वालामुखी विस्फोट के बाद बना था कच्चाथीवू द्वीप।

बता दें कि भारत के तमिलनाडु और श्रीलंका के बीच खासा बड़ा समुद्री क्षेत्र है। इस एरिया को पाक स्ट्रेट कहा जाता है। 1755 से 1763 तक मद्रास प्रांत के अंग्रेज गवर्नर रॉबर्ट पाक हुआ करते थे। इस समुद्री एरिया का नाम रॉबर्ट पाक के नाम पर ही पाक स्ट्रेट रखा गया है। पाक स्?ट्रेट में कई सारे द्वीप हैं, जिसमें से ही एक कच्चाथीवू द्वीप भी है।

जब भारत का था कच्चाथीवू द्वीप तो फिर श्रीलंका का कैसे हुआ- दरअसल, 17वीं सदी की बात है। रघुनाथ देव किलावन ने खुद को रामनाद साम्राज्य का सम्राट घोषित कर दिया था। ऐसे में कच्चाथीवू द्वीप पर उनका राज हो गया था।

मैं इसका तो हकदार..., विवाद के बीच कुणाल कामरा ने किसको लिखा पत्र; कर दी ये मांग

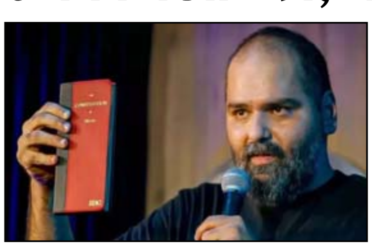

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुक माय शो ने हाल के दिनों में कुणाल कामरा को अपने प्लेटफॉर्म से कलाकारों की सूची से हटा दिया। इसके कुछ दिनों बाद कॉमेडियन कुणाल कामरा ने बुक माय शो को एक खुला पत्र लिखा है। पत्र के माध्यम से कुणाल कामरा ने पोर्टल से उनके शो को देखने वाले दर्शकों की संपर्क जानकारी सौंपने को कहा है।

अपने पत्र में कुणाल कामरा ने लिखा कि मैं समझता हूं कि आपको राज्य के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की आवश्यकता है, और मुझे पता है कि मुंबई लाइव मनोरंजन के लिए एक प्रमुख केंद्र है। राज्य के सहयोग के बिना, कोल्डप्ले और गन्स एन% रोज़ेज़ जैसे प्रतिष्ठित शो संभव नहीं होंगे।

कामरा ने अपने पत्र में क्या लिखा- सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक पत्र में कॉमेडियन कुणाल कामरा ने लिखा कि मुद्दा यह नहीं है कि आप मुझे सूची से हटा सकते हैं या नहीं-यह हमारे शो को सूचीबद्ध करने के आपके विशेष अधिकार के बारे में है। कलाकारों को अपनी वेबसाइटों के माध्यम से अपने शो सूचीबद्ध करने की अनुमति न देकर मुझे 2017 से 2025 तक उन दर्शकों तक पहुंचने से प्रभावी रूप से रोक दिया है, जिनके लिए मैंने प्रदर्शन किया है।

उन्होंने आगे लिखा कि आप शो सूचीबद्ध करने के लिए राजस्व का 10त्न हिस्सा लेते हैं, जो आपका व्यवसाय मॉडल है। हालांकि, यह एक महत्वपूर्ण बिंदु उठाता है- कोई भी कॉमेडियन चाहे कितना भी बड़ा या छोटा क्यों न हो, हम सभी अपने दर्शकों तक पहुंचने के लिए विज्ञापन पर प्रतिदिन 6,000 से 10,000 रुपये खर्च करने के लिए बाध्य हैं। यह लागत एक अतिरिक्त बोझ है जिसे हमें, कलाकारों के रूप में उठाना होगा।

कॉमेडियन ने एकनाथ शिंदे पर की थी टिप्पणी- जानकारी दें कि कॉमेडियन कुणाल कामरा ने हाल के दिनों में एक शो के दौरान महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम पर कथित तौर पर एक भद्दी टिप्पणी की थी। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था। लेकिन जिस तरीके से उन्होंने अपनी बातों को रखा उससे साफ था कि कामरा का इशारा महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम की ओर था।

विजय माल्या से अबतक कितनी रकम वसूली गई? भगौड़े का दावा- उनके बकाए से भी दोगुनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने दावा किया है कि भारतीय बैंकों ने उनसे 14,131.6 करोड़ रुपये की वसूली की है। यह राशि बैंकों का उन पर बकाए से भी दोगुनी है। उन्होंने वित्त मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 में विलफुल डिफॉल्टर्स के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई वसूली के विवरण का हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि बैंकों ने पहले ही ऋण वसूली न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए 6,203 करोड़ रुपये के मुकाबले 14,131.8 करोड़ रुपये वसूल लिए हैं।

माल्या ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आखिरकार, 6,203 करोड़ रुपये के ऋण के मुकाबले 14,131.8 करोड़ रुपये की वसूली की, यह ब्रिटेन में मेरे दिवालियापन निरस्तीकरण आवेदन में अहम सबूत होगा। अब आश्चर्य है कि बैंक ब्रिटिश अदालत में क्या कहेंगे। गौरतलब है कि वित्त मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 में माल्या और 10 अन्य लोगों सहित भगोड़े आर्थिक अपराधियों का विवरण साझा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 36 व्यक्तियों के संबंध में कुल 44 प्रत्यर्पण अनुरोध विभिन्न देशों को भेजे गए हैं।

मंत्रालय की रिपोर्ट में क्या कहा गया - मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, विजय माल्या के मामले में 14,131.6 करोड़ रुपये की कुर्क की गई संपत्तियों की पूरी राशि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सफलतापूर्वक वापस कर दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईडी के प्रयासों के परिणामस्वरूप विभिन्न भगोड़े आर्थिक अपराधियों और अन्य आरोपितों को प्रत्यर्पण के सिलसिले में विदेश में सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश करने में सफलता मिली है।

हाई प्रोफाइल आरोपितों को भारत प्रत्यर्पित करने की मंजूरी - इसमें कहा गया है कि इस संबंध में यह उल्लेख करना उचित है कि ब्रिटिश अदालत ने अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और विदेश में भारतीय मिशन के साथ समन्वय में निदेशालय के प्रभावी प्रतिनिधित्व के बाद कुछ हाई प्रोफाइल आरोपितों को भारत प्रत्यर्पित करने की मंजूरी दी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल एकादशी

संपादकीय

भारत में आदि जुगादि काल से ही अपनी संस्कृतिक विरासत को संजोकर रखने की विशेष भूमि रही है

किसी भी देश की सांस्कृतिक, साहित्यिक सभ्यता विरासत को संजोकर रखने का काम जितनी संजीदगी, गंभीरता, सुव्यस्था के साथ संग्रहालयों द्वारा किया जाती है शायद किसी अन्य व्यवस्था, संस्था द्वारा करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। इसीलिए हर देश के पौराणिक, महत्वपूर्ण संग्रहालयों को सैल्यूट!!!

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत आदि जुगादि काल से ही, मानव की सभ्यता की शुरुआत से ही समृद्ध, संस्कृतिक विरासत को संजोकर रखने की विशेष भूमि रही है, यही कारण है कि आज भारत में 1,000 से अधिक संग्रहालय न केवल इस सांस्कृतिक धरोहर रूपी विरासत को प्रदर्शित करने और संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहें है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को शिक्षित भी कर रहा है।

साथियों बात अगर हम हमारी अगली शायद सैकड़ों पीढ़ियों के लिए अपने इस अनमोल संस्कृतिक, संस्कृति, भारतीय सभ्यता को संरक्षित करने की करें तो इसे अत्यंत सुरक्षा के साथ संरक्षित करना न केवल हमारा कर्तव्य है बल्कि एक बहुत बड़ी विशालकाय ज़वाबदारी भी है क्योंकि हमारी अगली पीढ़ियों का सवाल है! उन्हें भी भारतीय परंपरा, संस्कृति, सभ्यता का अभूतपूर्व ज्ञान हो।

साथियों बात अगर हम आज के डिजिटल युग में हमारी विरासत, धरोहर को संरक्षित करने की करें तो डिजिटलाइजेशन के कारण हमारी संस्कृति, विरासत, सभ्यता को सुरक्षित, संरक्षित करने में आसानी उपलब्ध हुई है।

साथियों मानवीय रूप से संरक्षित करने के अनेक खतरे और असुविधाएं थी। मसलन-प्राकृतिक विपत्तियों से खतरा, दीमक कीड़ों इत्यादि से खतरा, मानवीय हरकत के कारण चोरी, विलुप्तता का खतरा हमेशा बना हुआ था। परंतु डिजिटलाइजेशन के कारण हमारी धरोहर, विरासत को इलेक्ट्रॉनिक रूप से संरक्षित करने, अनेक डिवाइसेज में ट्रांसफर कर एक नहीं बल्कि एक ही सांस्कृतिक विरासत को अनेक स्थानों पर संरक्षित किया जा सकता है जिससे यह सदियों तक सुरक्षात्मक घेरे में रहेगी परंतु उस विरासत धरोहर को फिजिकल रूप में भी सुरक्षित रखना ही है।

साथियों इसलिए संग्रहालयों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है। संग्रहालयों को इसी विशेष भूमिका को रेखांकित करते हुए संस्कृति मंत्रालय ने 15 से 16 फ़रवरी 2022 को एक विशेष भारत में संग्रहालयों की पुनर्कल्पना पर पहले वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया है तथा नए संग्रहालयों पर डिजिटल संवर्धित वास्तविकता और वर्चुअल वास्तविकता जैसी आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित नए संग्रहालयों के निर्माण पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया गया है।इस ऑनलाइन चलने वाले वैश्विक शिखर सम्मेलन में भारत, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, इटली, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन जैसे देशों के प्रतिभागी इसमें हिस्सा लेंगे

साथियों बात अगर हम भारत में संग्रहालयों की पुनर्कल्पना पर अपनी तरह के पहले, दो दिनों तक चलने वाले वैश्विक शिखर सम्मेलन की करें तो संस्कृति मंत्रालय की पीआईबी के अनुसार, यह वैश्विक शिखर सम्मेलन भारत और दुनिया भर में संग्रहालय विकास और प्रबंधन के क्षेत्र से जुड़ी अग्रणी हस्तियों, इस क्षेत्र के विशेषज्ञों और पेशेवरों को एक साथ लाएगा, ताकि सर्वोत्तम तौर-तरीकों और रणनीतियों पर चर्चा की जा सके। इसमें 25 से अधिक संग्रहालय विज्ञानी और संग्रहालय से जुड़े पेशेवर संग्रहालयों के लिए नई प्राथमिकताओं और तौर तरीकों के बारे में गहन विचार -विमर्श करेंगे। ज्ञान साझा करने के परिणामस्वरूप नए संग्रहालयों के विकास के लिए एक ब्लूप्रिंट तैयार होने के साथ-साथ एक नया कार्यक्रम तैयार होगा और भारत में मौजूदा संग्रहालयों को फिर से जीवंत करने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

मंगल पांडे

मंगल पांडे अथवा मंगल पान्डेय का नाम भारतीय स्वाधीनता संग्राम में अग्रणी योद्धाओं के रूप में लिया जाता है, जिनके द्वारा भड़काई गई क्रांति की ज्वाला से अंग्रेज़ ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन बुरी तरह हिल गया था। मंगल पांडे की शहादत ने भारत में पहली क्रांति के बीज बोए थे। ब्रह्मदेश (बर्मा 6वर्तमान म्यांमार8) पर विजय तथा सिक्ख युद्ध की समाप्ति के पश्चात् अंग्रेज़ों ने भारतवर्ष पर निष्कंटक राज्य करने के सपने देखें होंगे; पर उन्हें क्या पता था कि सन 1857 का वर्ष उनकी आशाओं पर तुषारपात का वर्ष सिद्ध होगा।

जन्म और परिवार

क्रांतिकारी मंगल पांडे का जन्म 19 जुलाई, 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले के नगवा गाँव में हुआ था। कुछ सन्दर्भों में इनका जन्म स्थल फ़ैज़ाबाद ज़िले की अकबरपुर तहसील के सुरहुरपुर ग्राम में बताया गया है। इनके पिता का नाम दिवाकर पांडे तथा माता का नाम श्रीमती अभय रानी था। वे कोलकाता (भूतपूर्व कलकत्ता) के पास बैरकपुर की सैनिक छावनी में 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री की पैदल सेना के 1446 नम्बर के सिपाही थे। भारत की आज़ादी की पहली लड़ाई अर्थात् 1857 के संग्राम की शुरुआत उन्हीं के विद्रोह से हुई थी।

जंग-ए-आज़ादी

भारतीय इतिहास में 29 मार्च, 1857 का दिन अंग्रेज़ों के लिए दुर्भाग्य के दिन के रूप में उदित हुआ। पाँचवी कंपनी की चौंतीसवीं रेजीमेंट का 1446 नं. का सिपाही वीरवर मंगल पांडे अंग्रेज़ों के लिए प्रलय-सूर्य के समान निकला। बैरकपुर की संचलन भूमि में प्रलयवीर मंगल पांडे का रणघोष गूँज उठा-

बंधुओ! उठो! उठो! तुम अब भी किस चिंता में निमग्न हो? उठो, तुम्हें अपने पावन धर्म की सौगंध! चलो, स्वातंत्र्य लक्ष्मी की पावन अर्चना हेतु इन अत्याचारी शत्रुओं पर तत्काल प्रहार करो।

मंगल पांडे के बदले हुए तेवर देखकर अंग्रेज़ सारजेंट मेजर ह्यूसन उसने पथ को अवरुद्ध करने के लिए आगे बढ़ा। उसने उस विद्रोही को उसकी उद्दंडता का पुरस्कार देना चाहा। अपनी कड़कती आवाज़ में उसने मंगल पांडे को खड़ा रहने का आदेश दिया। वीर मंगल पांडे के अरमान मचल उठे। वह शिवशंकर की भाँति सन्नद्ध होकर रक्तगंगा का आह्वान करने लगा। उसकी सबल बाहुओं ने बंदूक तान ली। उसकी सधी हुई उँगलियों ने बंदूक का घोड़ा अपनी ओर खींचा और घुड़ड़ घूँह्यह्यह्य का तीव्र स्वर घहरा उठा। मेजर ह्यसन घायल कबूतर की भाँति भूमि पर तड़प रहा था। उसका रक्त भारत की धूल चाट रहा था। 1857 के क्रांतिकारी ने एक फिरंगी की बलि ले ली थी। विप्लव महायज्ञ के पुरोधा मंगल पांडे की बंदूक पहला स्वारा बोल चुकी थी। स्वातंर्त्य यज्ञ की वेदी को दस्यु-देह की समिधा अर्पित हो चुकी थी।

ह्यसन को धराशायी हुआ देख लेफ्टिनेंट बॉब वहाँ जा पहुँचा। उस अश्वारूढ़ गोरे ने मंगल पांडे को घेरना चाहा। पहला ग्रास खाकर मंगल पांडे की बंदूक की भूख भड़क उठी थी। उसने दूसरी बार मुँह खोला और लेफ्टिनेंट बॉब घोड़े सहित भू-लुंठित होता दिखाई दिया। गिरकर भी बॉब ने अपनी पिस्तौल मंगल पांडे की ओर सीधी करके गोली चला दी। विद्युत गति से वीर मंगल पांडे गोली का वार बचा गये और बॉब खिसियाकर रह गया। अपनी पिस्तौल को मुँह की खाती हुई देख बॉब ने अपनी तलवार खींच ली और वह मंगल पांडे पर टूट पड़ा। मंगल पांडे भी कच्चे खिलाड़ी नहीं थे। बॉब ने मंगल पांडे पर प्रहार करने के लिए तलवार तानी ही थी कि मंगल पांडे की तलवार का भरपूर हाथ उस पर ऐसा पड़ा कि बॉब का कंधा और तलवार वाला हाथ जड़ से कटकर अलग जा गिरा। एक बलि मंगल पांडे की बंदूक ले चुकी थी और दूसरी उसकी तलवार ने ले ली।

लेफ्टिनेंट बॉब को गिरा हुआ देख एक दूसरा अंग्रेज़ मंगल पांडे की ओर बढ़ा ही था कि मंगल पांडे के साथी भारतीय सैनिक ने अपनी बंदूक डंडे की भाँति उस अंग्रेज़ की खोपड़ी पर दे मारी। अंग्रेज़ की खोपड़ी खुल गई। अपने आदमियों को गिरते हुए देख कर्नल व्हीलर मंगल पांडे की ओर बढ़ा; पर सभी क्रुद्ध भारतीय सिंह गर्जना कर उठे-

खबरदार, जो कोई आगे बढ़ा! आज हम तुम्हारे अपवित्र हाथों को ब्राह्मण की पवित्र देह का स्पर्श नहीं करने देंगे।

कर्नल व्हीलर जैसा आया था वैसा ही लौट गया। इस सारे कांड की सूचना अपने जनरल को देकर, अंग्रेज़ी सेना को बटोरकर ले आना उसने अपना धर्म समझा। जंग-ए-आज़ादी के पहले सेनानी मंगल पांडे ने 1857 में ऐसी चिंगारी भड़काई, जिससे दिल्ली से लेकर लंदन तक की ब्रिटिश हुकूमत हिल गई।

नारा मारो फिरंगी को

मारो फिरंगी को यह प्रसिद्ध नारा भारत की स्वाधीनता के लिए सर्वप्रथम आवाज़ उठाने वाले क्रांतिकारी मंगल पांडे की जुबां से 1857 की क्रांति के समय निकला था। भारत की आज़ादी के लिए क्रांति का आगाज़ 31 मई, 1857 को होना तय हुआ था, परन्तु यह दो माह पूर्व 29 मार्च, 1857 को ही आरम्भ हो गई। मंगल पांडे को आज़ादी का सर्वप्रथम क्रान्तिकारी माना जाता है। फिरंगी अर्थात् अंग्रेज़ या ब्रिटिश जो उस समय देश को गुलाम बनाए हुए थे, को क्रांतिकारियों व भारतियों द्वारा फिरंगी नाम से पुकारा जाता था। गुलाम जनता तथा सैनिकों के हृदय में क्रांति की जल रही आग को धधकाने के लिए व लड़कर आज़ादी लेने की इच्छा को दर्शाने के लिए यह नारा मंगल पांडे द्वारा गुंजाया गया था।

अंग्रेज़ी सेना द्वारा बंदी

वीर मंगल पांडे ने अपने कर्तव्य की पूर्ति कर दी थी। शत्रु के रक्त से भारत भूमि का तर्पण किया था। मातृभूमि की स्वाधीनता जैसे महत कार्य के लिए अपनी रक्तांजलि देना भी अपना पावन कर्तव्य समझा। मंगल पांडे ने अपनी बंदूक अपनी छाती से अड़ाकर गोली छोड़ दी। गोली छाती में सीधी न जाती हुई पसली की तरफ फिसल गई और घायल मंगल पांडे अंग्रेज़ी सेना द्वारा बंदी बना लिये गये। अंगेज़ों ने भरसक प्रयत्न किया कि वे मंगल पांडे से क्रांति योजना के विषय में उसके साथियों के नाम-पते पूछ सकें; पर वह मंगल पांडे थे, जिनका मुँह अपने साथियों को फँसाने के लिए खुला ही नहीं।

कारतूस घटना

1857 के विद्रोह का प्रारम्भ एक बंदूक की वजह से हुआ था। सिपाहियों को 1853 में एनफ़ील्ड बंदूक दी गयी थीं, जो कि 0.577 कैलीबर की बंदूक थी तथा पुरानी और कई दशकों से उपयोग में लायी जा रही ब्राउन बैस के मुकाबले में शक्तिशाली और अचूक थी। नयी बंदूक में गोली दागने की आधुनिक प्रणाली का प्रयोग किया गया था, परन्तु बंदूक में गोली भरने की प्रक्रिया पुरानी थी। नयी एनफ़ील्ड बंदूक भरने के लिये कारतूस को दांतों से काट कर खोलना पड़ता था और उसमे भरे हुए बारूद को बंदूक की नली में भर कर कारतूस में डालना पड़ता था। कारतूस का बाहरी आवरण में चर्बी होती थी, जो कि उसे नमी अर्थात् पानी की सीलन से बचाती थी।

सिपाहियों के बीच अफ़वाह फ़ैल चुकी थी कि कारतूस में लगी हुई चर्बी सुअर और गाय के मांस से बनायी जाती है। यह हिन्दू और मुसलमान सिपाहियों दोनों की धार्मिक भावनाओं के विरुद्ध था। अंग्रेज अफ़सरों ने इसे अफवाह बताया और सुझाव दिया कि सिपाही नये कारतूस बनायें, जिसमें बकरे या मधुमक्क्खी की चर्बी प्रयोग की जाये। इस सुझाव ने सिपाहियों के बीच फ़ैली इस अफवाह को और मज़बूत कर दिया। दूसरा सुझाव यह दिया गया कि सिपाही कारतूस को दांतों से काटने की बजाय हाथों से खोलें। परंतु सिपाहियों ने इसे ये कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि वे कभी भी नयी कवायद को भूल सकते हैं और दांतों से कारतूस को काट सकते हैं। तत्कालीन अंग्रेज अफ़सर प्रमुख (भारत) जार्ज एनसन ने अपने अफ़सरों की सलाह को दरकिनार हुए इस कवायद और नयी बंदूक से उत्पन्न हुई समस्या को सुलझाने से मना कर दिया।

शेयर बाजार की बिकवाली का सोने पर नहीं हुआ कोई असर, इतने रुपये गिरा सोने का दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी टैरिफ से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था डगमगाई हुई है। इस टैरिफ का असर भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिला है। शेयर बाजार के मुख्य इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में भारी बिकवाली देखी गई है।

ऐसी स्थिति में निवेशक सुरक्षित प्लेटफॉर्म की ओर रूझान करते हैं। जिससे ये कयास लगाए जा रहे थे कि सोने की कीमत में बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि हुआ इसके ठीक विपरीत ही।

पीटीआई एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक दोपहर 1.01 बजे एमसीएक्स में सोने के दाम गिरे हैं। आज सोने की कीमत में 0.01 फीसदी की गिरावट आई है। आज 7 अप्रैल को दोपहर 1.01 बजे सोने का दाम 10 रुपये प्रति ग्राम गिरा है। अभी 24 कैरेट वाले सोने का भाव 88,065 रुपये प्रति 10 ग्राम है।

ग्लोबल मार्केट में क्या है सोने की कीमत- ग्लोबल बाजारों में भी सोने के दाम में गिरावट आई है। विदेशी बाजारों में सोने का दाम 0.55 फीसदी घटा है। अमेरिकी बाजारों में सोने की कीमत 3,021.51 प्रति औंस है। भारत समेत लगभग 180 देशों से भी अधिक पर अमेरिकी टैरिफ लगाया गया है। भारत में अमेरिका ने 26 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है।

जिसके बाद से ही शेयर बाजारों में लगातार बिकवाली जारी है। इस समय माना जा रहा था कि सोने के दाम में भी बढ़ोतरी होगी। लेकिन ठीक इसका विपरित हुआ है।

ग्लोड प्राइस में जितना उछाल आया था, सब खत्म हो चुका है। दरअसल टैरिफ के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ रहा है। जिसकी वजह से निवेशक गोल्ड बेचना शुरू कर रहे हैं।

7 अप्रैल सोमवार को केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले एक्साइज ड्यूटी को बढ़ाने का फैसला किया है। राजस्व विभाग की अधिसूचना के मुताबिक, केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर 2-2 रुपए उत्पाद शुल्क बढ़ने का फैसला किया है। हालांकि कल यानी 8 अप्रैल को पेट्रोल और डीजल के अंतिम दाम पता चलेंगे।

पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर बढ़ने का फैसला किया है।

21000 रुपये से ज्यादा टूट गए टायर कंपनी के शेयर, 52 हफ्ते के हाई से 23% लुढ़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। टायर कंपनी एमआरएफ के शेयर सोमवार को 2400 रुपये से ज्यादा टूट गए हैं। एमआरएफ के शेयर सोमवार को क्चस्श्व में 2 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 110763.35 रुपये पर बंद हुए हैं। वहीं, पिछले चार महीने में कंपनी के शेयर 16 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। एमआरएफ के शेयर 9 दिसंबर 2024 को 1,32,133.60 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 7 अप्रैल 2025 को 110763.35 रुपये पर बंद हुए। यानी, पिछले चार महीने में एमआरएफ के शेयरों में 21,370 रुपये की गिरावट देखने को मिली है।

52 हफ्ते के हाई लेवल से शेयरों में 23त्न की गिरावट- टायर कंपनी एमआरएफ के शेयरों में 52 हफ्ते के हाई लेवल से 23 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 1 अगस्त 2024 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 143,598.95 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 7 अप्रैल 2025 को 110763.35 रुपये पर बंद हुए हैं।

एमआरएफ के शेयरों में 52 हफ्ते के हाई लेवल से 32,835 रुपये की गिरावट आई है। इस साल अब तक एमआरएफ के शेयरों में 14 पर्सेंट से अधिक की गिरावट आई है। इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2025 को टायर कंपनी के शेयर 1,29,285.85 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 7 अप्रैल 2025 को 1,10,763.35 रुपये पर बंद हुए।

आम आदमी को मिली बड़ी राहत, सस्ता हुआ खाना-पीना; ये है मुख्य कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी को बड़ी राहत मिली है। अब घर में बनने वाला वेज और नॉन वेज खाना दोनों की कीमतों में गिरावट आई है। इस बात की पुष्टि ष्ह्द्बह्यद्बद्य नामक संस्थान ने अपनी एक रिपोर्ट में की है। संस्थान ने ये आकलन खाना बनाने में लगने वाली सब्जी, तेल, दाल, मसाले और गैस की कीमत को देखते हुए किया है।

ष्ह्द्बह्यद्बद्य की रिपोर्ट की मानें तो घरों में बनने वाला वेज और नॉन वेज खाना सस्ता हो चुका है। इन दोनों की कीमत में गिरावट का कारण टमाटर को माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से टमाटर की कीमत में लगातार गिरावट हो रही है।

इस रिपोर्ट की मानें तो मार्च 2024 में एक किलो टमाटर की कीमत 32 रुपये थी, जो मार्च 2025 में 20 रुपये प्रति किलो बेचा जा रहा था। इसका कारण दक्षिण भारत के टमाटर की खेती में हुई बढ़ोतरी को माना गया है। देश में टमाटर की खेती में 29 फीसदी की बढ़ोतरी आई है। हालांकि नॉन वेज थाली में गिरावट का कारण ब्रॉयलर चिकन की कीमत में गिरावट के कारण की वजह से है।

वेज और नॉन वेज थाली में आई कितनी गिरावट- नॉन वेज थाली- वेज और नॉन वेज दोनों को ही बनाने की कॉस्ट कम हुई है। Crisil की रिपोर्ट की मानें तो फरवरी 2025 में नॉन वेज थाली की कीमत 57.4 रुपये थी। जो मार्च में घटकर 54.8 रुपये हो गई है। जिसका मतलब है कि एक नॉन वेज थाली बनाने की कीमत में 2.6 रुपये की गिरावट आई है।

वेज थाली- इसके अलावा वेज थाली में पिछले 4 महीने से गिरावट आ रही है। नवंबर 2024 में एक वेज थाली बनाने की कीमत 32.7 रुपये थी। जो मार्च 2025 में 26.6 रुपये हो गई है।

कमाल की है ये सरकारी स्कीम, ऐसे मिलेंगे हर महीने 5000 रुपये

सरकार जरूरतमंद लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए कई स्कीम चलाती है। इनमें से ही एक है, अटल पेंशन योजना। इस योजना का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को वित्तीय सहायता देना है। ये योजना देश की केंद्र सरकार द्वारा चलाई जाती है।

अटल पेंशन योजना के तहत लाभार्थी को हर महीने 5000 रुपये तक मिल जाते हैं। ये पैसे आपको 60 साल होने के बाद दिए जाते हैं। ताकि आप रिटायरमेंट लाइफ बिना किसी परेशानी के व्यतीत कर सकें।

अगर आप बुढ़ापे के लिए कोई पेंशन योजना तलाश रहे हैं, तो ये एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

क्या है अटल पेंशन योजना- अटल पेंशन योजना केंद्र सरकार द्वारा संचालित की जाने वाली पेंशन स्कीम है। इस योजना के तहत लाभार्थी को 1000 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक पेंशन के रूप में मिलते हैं। ये योजना को खास तौर पर रिटायरमेंट के लिए डिजाइन किया गया है।

इसमें निवेश कर व्यक्ति रिटायरमेंट के लिए टेंशन फ्री हो सकता है। इसमें 18 साल या उससे ज्यादा की उम्र का व्यक्ति अप्लाई कर सकता है। वहीं आवेदनकर्ता की उम्र 40 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

एक झटके में निवेशकों के उड़े 20 लाख करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में हाहाकार मचा हुआ है। शेयर बाजार के मुख्य इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में लगातार बिकवाली जारी है। जाहिर है कि अमेरिकी टैरिफ का असर भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है। हालांकि शेयर बाजार में हो रही गिरावट के कई और कारण भी हो सकते हैं।

अभी लिखते समय, बीएसई सेंसेक्स लगभग 2900 अंक गिरकर 72,389 पर ट्रेड कर रहा है। वहीं एनएसई निफ्टी में 920 अंक की गिरावट आई है। अभी निफ्टी 21,977 पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा आज सुबह प्री-ओपन के समय बीएसई सेंसेक्स 4000 अंक तक गिरा था. वहीं निफ्टी में 1100 अंक की गिरावट दर्ज की गई थी।

1. ग्लोबल मार्केट का असर - अमेरिकी टैरिफ से पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था डगमगा उठी है। सभी निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ रहे हैं। आज सुबह एशियाई बाजार के सभी इंडेक्स में भारी बिकवाली हुई थी। वहीं अमेरिकी मार्केट का भी बुरा हाल है। गिफ्ट निफ्टी भी सुबह 900 अंक की गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा था।

विदेशी बाजारों में हुई बिकवाली का प्रभाव भारतीय शेयर बाजार में भी देखने को मिला है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ को कड़वी दवा बताया है। भारत समेत कई बड़े देशों में अमेरिका ने निर्यात पर टैरिफ का ऐलान कर दिया है।

2. टैरिफ का अभी और दिखेगा असर- मीडिया रिपोर्ट की मानें तो शेयर बाजार में अभी पूरी तरह से टैरिफ का असर देखने को नहीं मिला है। ट्रंप ने भारत सहित लगभग 180 से अधिक देशों में टैरिफ का ऐलान कर दिया है। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था में टैरिफ का इनडायरेक्ट असर हो सकता है।

इसके साथ ही अमेरिकी अर्थव्यवस्था में भी इससे मंदी आ सकती है।

3. Q4 का रिजल्ट भी बना कारण- डगमगाए ग्लोबल अर्थव्यवस्था के बीच इस हफ्ते चौथे तिमाही के परिणाम जारी हो सकते हैं। इस परिणाम से पहले ही निवेशक विश्व अर्थव्यवस्था की स्थिति को देख घबरा उठे हैं।

दवा पीनी पड़ती है, टैरिफ पर अड़े ट्रंप, वैश्विक अर्थव्यवस्था और अमेरिका शेयर मार्केट की गिरावट पर दी सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि विदेशी सरकारों को अमेरिकी टैरिफ (शुल्क) हटवाने के लिए बहुत सारा पैसा देना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति से टैरिफ की वजह से दुनिया भर की अर्थव्यवस्था में आई अस्थिरता और शेयर मार्केट की गिरावट को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि टैरिफ एक तरह की दवा है और कई बार कड़वे घूंट पीने पड़ते हैं। ट्रंप ने कहा कि भले ही इसका असर फिलहाल बाजार पर पड़ रहा हो, लेकिन यह अमेरिका की दीर्घकालिक सेहत के लिए जरूरी है।

एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें अमेरिकी शेयर बाजार में आ रही भारी गिरावट की कोई चिंता नहीं है। पिछले कुछ समय में अमेरिकी स्टॉक्स से करीब 6 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 500 लाख करोड़ रुपये) की वैल्यू साफ हो चुकी है, लेकिन ट्रंप ने कहा, मैं नहीं चाहता कि कुछ भी नीचे जाए। लेकिन कई बार कुछ ठीक करने के लिए दवा लेनी पड़ती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

6 माह में लौटा दूंगा, कर्ज की मजबूरी है... चोर ने दुकान में छोड़ी चिट्ठी

खरगोन। कर्ज की मजबूरी के कारण यह चोरी कर रहा हूं, आपके मोहल्ले का ही निवासी हूं। ढाई लाख रुपये की जरूरत है, इसलिए उतने ही ले जा रहा हूं। हां, छह महीने में वापस लौटा दूंगा। आपके ही मोहल्ले का हूं। खरगोन में रविवार रात को जमींदार मोहल्ले में कोल्ड ड्रिंक सप्लाई करने वाली रायल फूड दुकान में चोरी हो गई।

काउंटर से ढाई लाख रुपये गायब था। इसके साथ ही चिट्ठी मिली है। चोर ने व्यापारी से चोरी के लिए माफी मांगी है। अगले छह महीने में रुपये लौटाने का वादा भी किया। पुलिस चिट्ठी पढ़कर हुई हैरान

चोरी की सूचना पर मौके पर पहुंचे एएसआइ अशरफ खान ने बताया कि पत्र बरामद कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित व्यापारी जुजर बोहरा का कहना है कि दुकान में रखे बैग में कुल 2 लाख 84 हजार रुपये थे। अज्ञात चोर 2.5 लाख रुपए लेकर गया है। चोर दुकान में प्याऊ के ऊपर की तरफ से घुसा था।

पुलिस का कहना है कि इतनी चोरियां हुई है?। आरोपी गिरफ्तार किए हैं, लेकिन इस तरह की चिट्ठी पहली बार मिली है। इस चिट्ठी के माध्यम से चोर बकायदा ईमानदारी से रुपये लौटाने की बात कह रहा है।

छह महीने में लौटा दूंगा आपके पैसे

अज्ञात चोर ने दुकान में पत्र छोड़ा है। इसमें उसने दुकान मालिक से इसके लिए माफी मांगी। चिट्ठी में उसने लिखा कि मुझे पैसों की सख्त जरूरत है। मुझ पर बहुत कर्जा है। मैं आपके पैसे वापस लौटा दूंगा, लेकिन मुझे थोड़ा समय लगेगा।

मैंने पैसे नहीं चुकाए तो मुझे जेल हो जाएगी, इसलिए में रात में आपकी दुकान की पीछे वाली शटर के ऊपर से आके पैसे ले रहा हूं। मैंने उतने ही पैसे लिए हैं, जितना कर्जा चुकाना है। बाकी किसी भी सामान को कुछ नहीं करूंगा।

मैं छह महीने में आपके पैसे लौटा दूंगा। मैं सामने भी आ जाऊंगा। मैं आपसे और आपके बेटे दोनों से हाथ जोड़ के माफी मांगता हूं। मैं रामनवमीं के दिन चोरी कर रहा हूं। मेरा चोरी का इरादा नहीं था, लेकिन मैं बहुत मजबूर हूं।

आप चाहो तो छह महीने बाद मुझे पुलिस में दे देना, लेकिन अभी मेरा पैसे चुराना बहुत जरूरी है। मैंने आपको सारी बातें सच-सच बता दीं। अभी मैं सामने नहीं आ पाऊंगा। आप मुझे अच्छे से जानते भी हो। जब मैं आपके पैसे आपको वापस दूंगा, तब आप मुझे सजा दे देना।

मेरठ के गैंगस्टर के लिए 18 पिस्टल ले जा रहा था यूपी का तस्कर

बुरहानपुर। जिले के पाचोरी में बनने वाली देसी पिस्टलों की खेप लेकर वापस लौट रहे उत्तर प्रदेश के एक हथियार तस्कर को खकनार थाना पुलिस ने 18 पिस्टल और 14 मैग्जीन के साथ गिरफ्तार किया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमत करीब चार लाख रुपये आंकी गई है। आरोपित राजू पुत्र जय प्रकाश बालमीकि 38 वर्ष निवासी हातमपुर शेखपुरा थाना चांदपुर, जिला बिजनौर उप्र हथियारों की यह खेप मेरठ के गैंगस्टर के लिए ले जा रहा था। पुलिस उसकी भी तलाश कर रही है। पेंटर का काम करता है आरोपित

सोमवार दोपहर एसपी देवेंद्र पाटीदार ने प्रेस कान्फ्रेंस कर हथियार तस्करी मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपित राजू उत्तर प्रदेश में पेंटर का काम करता है।

रविवार को खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव को मुखबिर से अवैध हथियार तस्करी की सूचना प्राप्त हुई थी।

उन्होंने टीम के साथ कुंडिया नाला फाटा यात्री प्रतिक्षालय के पास दबिश देकर उसे पकड़ा। जांच में उसके बैग से हथियारों का जखीरा निकला।

उन्होंने बताया कि आरोपित ट्रेन के माध्यम से शहर पहुंचा था और एक होटल में रुका था। दूसरे दिन रविवार को हथियारों की खेप लेने खकनार क्षेत्र पहुंचा था।पहले से दर्ज हैं तीन अपराध एसपी ने बताया कि आरोपित राजू पर पहले से उत्तर प्रदेश और हरियाणा में तीन अपराध दर्ज हैं। लूट व डकैती की तैयारी करने का एक मामला हरियाणा के रोहतक में वर्ष 2017 में दर्ज हुआ था।

प्रधान आरक्षक को मारकर लाश ठिकाने लगाने जा रहे थे, गांव वालों ने पकड़कर धुना

रतलाम। जिले के रिंगनोद थाना क्षेत्र के ग्राम मोरिया के समीप रूपनिया डेम में एक व्यक्ति का शव ठिकाने लगाने जा रहे तीन व्यक्तियों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया तथा उनकी पिटाई की। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी व जवान मौके पर पहुंचे तथा तीनों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया। मृतक की पहचान 32 वीं बटालियन के प्रधान आरक्षक गुलाबसिंह पंवार निवासी ग्राम डाबड़िया राजपूत थाना तराना जिला उज्जैन के रूप में हुई है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर ग्राम मोरिया के समीप रूपनिया डैम में कुछ व्यक्ति कार में एक व्यक्ति का शव लेकर उसे ठिकाने लगाने पहुंचे थे।

तभी गांव के चौकीदार ने उन्हें देख लिया तो आरोपित कार लेकर वहां से भागे। वे कार लेकर पास के गांव रणायरा गुर्जर होकर जा रहे थे तभी रास्ते में कार खराब होकर रूक गई।

इसी बीच आरोपित कार से उतरे तथा कार छोड़कर भागने लगे। ग्रामीण उन्हें भागता देख कार के पास पहुंचे तो उसमें एक व्यक्ति का शव था।

सूचना मिलने पर जावरा ग्रामीण एसडीओपी संदीप मालवीय, एसआई शिवेंद्र कुमार व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा तीनों को हिरासत में ले लिया। जीप के सामने आकर ग्रामीणों को सौंपने की मांग

पुलिस आरोपितों को बैठाकर जीप से ले जाने लगी तो ग्रामीण जीप के सामने आकर आरोपितों को उन्हें सौंपने की मांग करने लगे।

एक एसआई पुलिस जीप के बौनट पर बैठकर गुस्ताएं ग्रामीणों को शांत करने का प्रयास करने लगे।

वे ग्रामीणों को आरोपितों को पकड़ने के लिए धन्यवाद देते हुए कहने लगे कि आपके सहयोग से ही आरोपित पकड़ में आए है।

आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पर ग्रामीण शांत हुए तथा पुलिस आरोपितों को जीप से रिंगनोद थाने पर ले गई।

धामनोद के व्यापारियों से 7 करोड़ की ठगी, मुंबई की फर्म ने माल लेकर नहीं किया भुगतान; मामला दर्ज

धामनोद। नगर के व्यापारियों के साथ मुंबई के व्यापारियों ने रुई की गठानों का व्यापार किया, लेकिन जब भुगतान की बारी आई, तो भुगतान देने से साफ इंकार कर दिया। पीड़ित पक्ष ने थाना धामनोद पर इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच कर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया।

पुलिस के अनुसार अंधेरी मुंबई स्थित एसटी टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड फर्म के संचालकों पर आरोप है कि उन्होंने रुई गठान विक्रेता से करीब 7 करोड़ रुपये का माल बिना भुगतान हड़प लिया। यह मामला विक्रेता और क्रेता के बीच विश्वास के आधार पर हुआ, लेकिन बाद में क्रेता फर्म ने भुगतान करने से इंकार कर दिया। विक्रेता के साथ धोखाधड़ी की। यह है पूरा मामला

जानकारी अनुसार आवेदक सुभाष मंगल, नितिन मंगल, राधा मोहन अग्रवाल और संकेत गर्ग की धामनोद में जिनिंग फैक्ट्री है, जहां से वे रुई की गठानों का व्यापार करते हैं। लंबे समय से इनकी फर्म एसटी टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड अंधेरी मुंबई के साथ व्यापार कर रही थी।

इस फर्म के संचालक मुकेश त्यागी, निखिल त्यागी और संगीता त्यागी के साथ व्यापार चलता रहा है। नियमित रूप से माल की आपूर्ति और भुगतान किया जाता था। इस विश्वास के आधार पर विक्रेता फर्म ने अपनी रुई गठानें इस फर्म को भेजी थीं।

मालिकों के मुताबिक 1 अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 तक क्रेता फर्म ने विक्रेता से महंगे दामों पर रुई गठानें खरीदीं। विक्रेता को भुगतान का झांसा दिया। इसके बाद भुगतान का सिलसिला अचानक रुक गया। दोनों फर्मों के बीच संवाद भी बंद हो गया। इस पर विक्रेता फर्म ने मुंबई जाकर संपर्क किया, तो आरोपियों ने नया बहाना बना दिया कि विक्रेता फर्म ने बगैर एग्रीमेंट के माल भेजा था, इसलिए वे भुगतान नहीं कर सकते।

विक्रेता फर्म के मालिकों ने इस धोखाधड़ी के खिलाफ थाना धामनोद में 20 फरवरी 2025 को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर विक्रेता व क्रेता फर्म के बीच के सभी लेन-देन, विक्रय बिल और बैंक अकाउंट डिटेल्स की छानबीन की।

दलाल और ट्रांसपोर्टर के बयान लिए गए। उनसे संबंधित बिल्टी वाउचर जब्त किए। हालांकि एसटी टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड फर्म ने जांच में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि माल बिना एग्रीमेंट के भेजा गया था, इसलिए भुगतान नहीं किया जा सकता।

आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

इस मामले में पुलिस ने जिला अभियोजन अधिकारी से विधिक अभिमत प्राप्त किया और पाया कि विक्रेता फर्म के साथ धोखाधड़ी और विश्वास का दुरुपयोग किया गया है। क्रेता फर्म ने जानबूझकर कोई लिखित एग्रीमेंट नहीं किया। विक्रेता के बार-बार अनुरोध करने के बावजूद क्रेता द्वारा भुगतान नहीं किया। इस कारण यह मामला धोखाधड़ी और षड्यंत्र का साबित हुआ। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदापुरम के दादा कुटी में प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए पूजा अर्चना की

नर्मदा परिक्रमा पथ को विकसित करनें और मां नर्मदा के अविरल प्रवाह का लिया संकल्प

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को नर्मदापुरम जिले के अवधूत श्री दादा गुरु के दादा कुटी में पहुंचकर हवन कर पूजा-अर्चना की एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दादा कुटी में 108 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का पूजन-अर्चन किया एवं नर्मदा परिक्रमा पथ को विकसित करने एवं मां नर्मदा नदी के अविरल प्रवाह के लिए संकल्प लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अवधूत श्री दादा गुरु के मार्गदर्शन में संतों के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन-अर्चन की। मुख्यमंत्री ने अवधूत श्री दादा गुरू के साथ आध्यात्मिक चर्चा की एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान समूचे प्रदेश में प्रारंभ किया है। इस अभियान के तहत बंद एवं लुप्त हो चुकी जल संरचनाओं को पुनर्जीवित कर उन सभी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत मां नर्मदा के संपूर्ण परिक्रमा पथ को विकसित करने का संकल्प लिया गया है। साथ ही मां नर्मदा के अविरल प्रवाह के लिए भी संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस संकल्प में दादा गुरू का आर्शीवाद हमें प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा पथ से होकर जाने वाले नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उनके लिए धर्मशाला एवं अन्य व्यवस्थाएँ भी प्राथमिकता से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए सभी आध्यात्मिक गतिविधियां सरल एवं सुगम हो सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन प्रदेश के सभी तीर्थ स्थलों को सुव्यवस्थित एवं विकसित करनें के लिए कृत-संकल्पित है। उन्होंने प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आज मैहर एवं चित्रकूट भी जा रहे हैं। आज चित्रकूट का गौरव दिवस है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास के कुछ वर्ष चित्रकूट में बिताये थे। चित्रकूट में रामनवमी के अवसर पर घर-घर में दीप प्रज्ज्वलित किये जाऐंगे।

इस अवसर पर दादा कुटी में सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सोहागपुर विधायक श्री विजयपाल सिंह, पिपरिया विधायक श्री ठाकुरदास नागवंशी, सिवनी मालवा विधायक श्री प्रेमशंकर वर्मा, नगरपालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेन्द्र यादव सहित प्रीति पवन शुक्ला, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री अखिलेश खंडेलवाल, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती संगीता सोलंकी, सहित जनप्रतिनिधि,

शादी के एक महीने बाद पति ने दी जान, पत्नी मायके गई और मैनेजर ने यह दबाव बनाया

इंदौर। लसूड़िया मोरी में रहने वाले 25 वर्षीय युवक आकाश चौहान ने सोमवार सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की पहचान आकाश चौहान के रूप में हुई है। यह घटना सुबह उस समय सामने आई जब आकाश की मां ने कमरे में उसका शव फंदे से लटका देखा। इसके बाद उसने तुरंत पति और छोटे बेटे को जानकारी दी, और परिवार में हड़कंप मच गया। शादी और नौकरी में तनाव चल रहा था

आकाश की शादी एक महीने पहले देवकन्या नामक युवती से हुई थी, जो चापड़ा की रहने वाली है। हाल ही में देवकन्या अपने मायके गई हुई थी। आकाश लसूड़िया इलाके के एक पेट्रोल पंप पर काम करता था, लेकिन कुछ समय पहले उसके और पेट्रोल पंप के मैनेजर के बीच कहासुनी हो गई थी। इसके बाद आकाश ने काम पर जाना बंद कर दिया था। साथ ही, मैनेजर की ओर से लगातार कॉल आ रहे थे और पैसे के लेन-देन को लेकर उस पर दबाव भी बन रहा था।

आर्थिक तनाव और मानसिक दबाव- आकाश के पिता मोहन चौहान ने बताया कि शादी के बाद आकाश मुश्किल से दो दिन ही काम पर गया था। शादी के लिए उसने पेट्रोल पंप से कुछ रुपए एडवांस में लिए थे, और इसी लेन-देन को लेकर मैनेजर कुणाल के साथ उसका विवाद हुआ था।

कुष्ठ आश्रम का निरीक्षण

इंदौर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर से प्राप्त निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इन्दौर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इन्दौर के सचिव श्री शिवराज सिंह गवली द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या तथा उनकी मेडिकल टीम के साथ समन्वय स्थापित कर रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित अरुणोदय कुष्ठ सेवा केन्द्र जम्बूड़ी हप्सी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुष्ठ सेवा संस्थान में निवासरत 57 परिवारों के 42 कुष्ठ रोगियों से चर्चा कर उनके रहवास, भोजन, पानी एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्री गवली द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कुष्ठ रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों के नियमित स्वास्थ्य उपचार एवं दवाईयों के वितरण आदि के संबंध में उचित दिशा-निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर प्रशिक्षण

इंदौर। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण का आयोजन विज्ञान भवन भोपाल मे किया जा रहा है। प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 100 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में तकनीकि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकि का प्रचलन बढ़ाना है। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडलों जैसे तथा डीप लर्निंग तकनीकों पर, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल एवं महालनोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र, नई दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जायेगा।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को रिमोट सेंसिंग तकनीकि का उपयोग करके सटीक फसल उपज अनुमान के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसका लक्ष्य फसल बीमा दावा निपटान प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना है, जिससे प्रौद्योगिकी आधारित तकनीकि का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा सके। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है। मध्यप्रदेश में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का क्रियान्वयन वर्ष 2022 से किया जा रहा है। इस कार्य में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद साथ राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद, कृषि विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं एमपीएसईडीसी भी सहयोग कर रहे है।

हरित विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिये मुख्यमंत्री नगरीय विकास योजना

इंदौर। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में हरित स्थान विकास और सौन्दर्यपरक पर्यावरण के लिये मुख्यमंत्री नगर विकास योजना के क्रियान्वयन का निर्णय लिया है। पाँच वर्ष की इस योजना में वर्ष 2028-29 तक के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना राज्य सरकार द्वारा अपने वित्तीय संसाधनों से संचालित करेगी।

विभाग द्वारा प्रत्येक नगर वन के विकास के लिये अधिकतम 2 करोड़ 50 लाख रूपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। योजना में न्यूनतम क्षेत्रफल प्रति एकड़ 10 लाख रूपये नगर वन के सृजन के लिये नगरीय निकायों को अनुदान स्वरूप दिये जाएंगे। योजना के संबंध में नगरीय निकायों को निर्धारित प्रावधान के अनुसार प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये गये है।

मुख्यमंत्री जन सहभागिता निर्माण योजना- प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में जन-भागीदारी से नागरिकों की सुविधा के लिये अद्योसंरचना विकास के लिये ÷मुख्यमंत्री जन-सहभागिता निर्माण'' योजना चलाने का भी निर्णय लिया है। योजना में 150 करोड़ रूपये प्रति वर्ष के मान से 5 वर्षों के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। योजना में प्रतिवर्ष नगरपालिक निगमों के लिये 5 करोड़ रूपये, नगरपालिकाओं को एक करोड़ रूपये और नगर परिषदों को 25 लाख रूपये का अनुदान दिया जाएगा। जन-भागीदारी एवं राज्य शासन की आर्थिक सहायता का अनुपात समान रूप से 50-50 प्रतिशत रहेगा। योजना में नगरीय क्षेत्र के मोहल्लों में सीमेंट- कांक्रिट निर्माण, सीवरेज की उचित व्यवस्था के साथ कचरे के निपटान की उचित व्यवस्था को वरीयता दी जाएगी। योजना का क्रियान्वयन वर्ष 2028-29 तक किया जाएगा।

प्रदेश में सरकारी वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहन में परिवर्तित करने का कार्यक्रम- प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शासकीय वाहनों को 80 प्रतिशत तक इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने का कार्यक्रम बनाया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन को ईव्ही मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा।

प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन के लिये हर 20 कि.मी. पर चार्जिंग स्टेशन और हाई-वे पर 100 कि.मी. पर फास्ट चार्जिंग सुविधा स्थापित करने का कार्य शुरू कर दिया गया। मध्यप्रदेश की ईव्ही नीति में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन खोलने पर सब्सिडी का प्रावधान भी किया गया है।

इसके अलावा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजनांतर्गत 6 शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और उज्जैन में 552 शहरी बसों के संचालन पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। केन्द्र सरकार के शहरी कार्य मंत्रालय ने भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, सागर के बस डिपो, अद्योसंरचना के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दे दी है।

पुलिस ने गिरफ्तार किए 3 युवक, लाखों की ड्रग्स बरामद

इंदौर। विजयनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार को तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इन युवकों के पास से करीब 39 ग्राम एमडी ड्रग बरामद हुई है, जिसकी बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। इन तीनों युवकों पर पहले भी धोखाधड़ी, मारपीट और एनडीपीएस एक्ट के तहत कई केस दर्ज हैं। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। गिरफ्तार किए गए युवकों के नाम अंकित पुत्र मोतीलाल कनासे (निवासी बड़खेड़ा बलवाड़ा), अंकुर पुत्र गोपाल पुरोहित (रेडियो कॉलोनी, आजाद नगर) और तन्मय पुत्र योगेश शर्मा हैं।

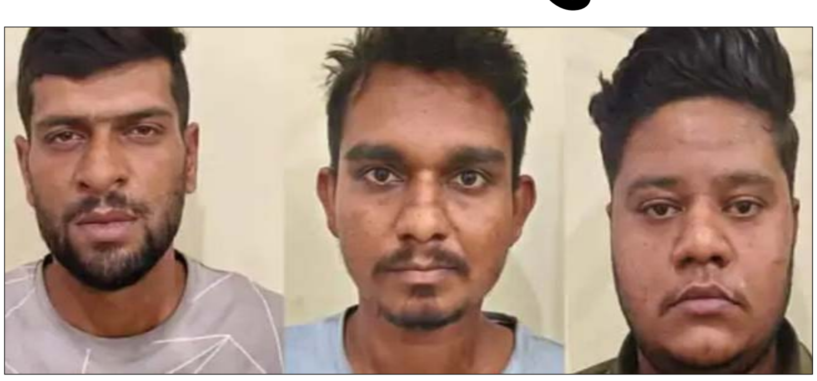

संदिग्ध हालत में गिरफ्तार- पुलिस के अनुसार, तीनों युवक बिजनेस पार्क इलाके में संदिग्ध अवस्था में एक गाड़ी से घूम रहे थे। जैसे ही उन्हें पुलिसकर्मियों ने देखा, वे भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार युवकों से पूछताछ के बाद कई महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। अंकित के खिलाफ पहले भी आजाद नगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। जबकि अंकुर धोखाधड़ी के केस में गिरफ्तार हो चुका है और तन्मय पर छोटी ग्वालटोली थाने में मारपीट का आरोप है।

तीनों पर पहले से दर्ज हैं केस- पुलिस ने बताया कि इन तीनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास है। अंकित पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पहले ही दर्ज है, जो उसकी आपराधिक गतिविधियों को उजागर करता है। वहीं, अंकुर ने पहले भी धोखाधड़ी की वारदातों को अंजाम दिया था और तन्मय के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज है। इस प्रकार, ये सभी आरोपी पहले भी कानून के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहे हैं, जिससे उनका आपराधिक नेटवर्क स्पष्ट होता है।

ड्रग्स का नेटवर्क तलाश रही पुलिस- फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि यह ड्रग्स उन्हें कहां से मिली और वे इसे किसे बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस की टीम इस मामले की गहरी जांच कर रही है, ताकि और भी अपराधियों का पर्दाफाश किया जा सके। इस गिरफ्तारी से पुलिस ने न केवल ड्रग्स के व्यापार में संलिप्त आरोपियों को पकड़ा है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि ऐसे अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर श्री सिंह ने समयावधि पत्रों की समीक्षा की

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी जनसंपर्क विभाग को देना सुनिश्चित करे- कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन । कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने सोमवार सुबह समयावधि पत्रों की समीक्षा की। श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 के सफल आयोजन के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर कार्य प्रगति की जानकारी ली और बीडीसी द्वारा समयानुसार किए जा रहे कार्य की प्रशंसा की और यूडीए, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, मप्रआरडीसी, नगर निगम आदि विभागों को 2 शिफ्ट में कार्य कर लक्ष्यानुसार कार्य करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन द्वारा गत दिवस बैठक में दिए गए निर्देशानुसार एंड ऑफ द डे मीटिंग कार्य कर रहे ठेकेदारों के साथ कर कार्य प्रगति की जानकारी प्रतिदिन भेजने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने बारिश शुरू

होने से पहले सभी कार्यों की प्रतिदिन की कार्य योजना बनाकर कार्य लक्ष्य अनुसार करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने विक्रम व्यापार मेले में वाहन बिक्री की जानकारी ली। बैठक में जानकारी दी गई कि अभी तक मेले में 31,000 से अधिक गाड़ियों की बिक्री हुई है। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने पंचक्रोशी यात्रा के सफल आयोजन के लिए विभागों को दिए गए कार्यों की कार्य योजना की जानकारी ली और सभी विभागों से 18 अप्रैल तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।कलेक्टर श्री सिंह ने सप्त सागरों के उन्नयन,पंचक्रोशी यात्रा मार्ग में आने वाले सभी कुओं, बावड़ियों, तालाबों और अन्य जलस्रोतों में यात्रा के पहले साफ सफाई स्वच्छता का कार्य करने के निर्देश दिए।जल गंगा संवर्धन अभियान में कार्यरत सभी एजेंसियों को प्रमुखता से अभियान के सभी कार्य करने के निर्देश दिए।बैठक में श्री सिंह ने मानसून के समय नदियों के तट पर पौधरोपण के कार्य और उन पौधों को सुरक्षित रखने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि सभी विभाग अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दस्तावेजीकरण संकलन के लिए जनसंपर्क विभाग को देना सुनिश्चित करे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन के कार्य की समीक्षा की।बैठक में जानकारी दी गई कि आज दिनांक तक 96394 किसानों ने पंजीकरण किया है।

पंचतत्व में विलीन हुए महंत श्री रामशरणदास जी महाराज

संतो की उपस्थिति में आश्रम परिसर में ही हुआ अग्नि संस्कार

उज्जैन। श्री रामजन्मभूमि मंदिर न्यास अयोध्या के अध्यक्ष श्री महंत नृत्यगोपालदासजी महाराज के कृपापात्र शिष्य महंतश्री रामशरणदासजी महाराज का रामनवमी की प्रातः निधन हो गया। सोमवार 7 अप्रैल की सुबह इंदौर रोड स्थित नवाखेड़ा ग्राम में महंत श्री नृत्यगोपालदासजी महाराज गौशाला परिसर में उज्जैन, अयोध्या सहित अन्य स्थानों से पधारे संत- महंतों की उपस्थिति में साकेतवासी महंत श्री रामशरणदास जी की पार्थिव देह का अग्नि संस्कार किया गया।

श्रीस्वामी नृत्यगोपालदास जी गौशाला आश्रम नवाखेडा उज्जैन के संस्थापक व संचालक रहे श्री श्री 108 श्री स्वामी रामशरणदास जी महाराज विगत 40 वर्षों से उज्जैन में रहकर गौशाला में गायों की सेवा, सनातन धर्म के प्रचार प्रसार व वैदिक शिक्षा को बढ़ावा देने के कार्य में सतत जुटे रहे। इंदौर रोड़ स्थित आश्रम में ब्रह्मलीन श्री स्वामी रामशरणदास जी महाराज की पार्थिव देह को अंतिम दर्शन हेतु 6 अप्रैल दोपहर 12 बजे से 7 अप्रैल की सुबह 8 तक रखा गया। अंतिम यात्रा श्रीस्वामी नृत्यगोपालदास जी गौशाला आश्रम परिसर में ही निकाली गई। अंतिम यात्रा के उपरांत आश्रम परिसर में ही पार्थिव देह का अग्नि संस्कार किया गया। महंत श्री रामशरणदासजी के गुरूभाई महंत श्री राघवेंद्रदासजी महाराज (हनुमान वाटिका) ने मुखाग्नि दी। इस अवसर पर गौशाला परिसर में श्रध्दांजलि सभा की गई जिसकी अध्यक्षता अखाड़ा परिषद उज्जैन के अध्यक्ष महंत डॉ. रामेश्वरदास जी महाराज ने की। सभा में महंत श्री बलरामदासजी महाराज, महंत श्री लालदासजी महाराज, महंत श्री विशालदासजी महाराज, महंत श्री राजीव लोचनदासजी आदि।

समाजसेवी श्री सिसोदिया की देह पंचतत्व में विलीन

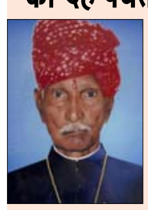

उज्जैन। पाड्ण्याखेड़ी निवासी स्वर्गीय श्री नत्थूसिंह जी सिसोदिया का सौ वर्ष की अवस्था में निधन हो गया,चक्रतीर्थ पर उनके ज्येष्ठ पुत्र श्री राजेन्द्रसिंह सिसोदिया तथा पौत्र बब्लू दरबार,लक्की दरबार ने मुखाग्नि दी ।चक्रतीर्थ पर शोक सभा की अध्यक्षता अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी ठाकुर हरदयालसिंह एडवोकेट ने की,शोक सभा का संचालन युवाविंग के शहर अध्यक्ष आनंन्दसिंह खींची ने किया । इस अवसर पर प्रसिद्ध कथावाचक पंडित अजय शंकर तिवारी सहित कई गणमान्यों ने श्री सिसोदिया का पुण्य स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

सजा साईं बाबा का दरबार, भजन संध्या में झूमे भक्त, हजारों भक्तों ने ग्रहण की महाप्रसादी

उज्जैन। रामनवमी के दूसरे दिन अलखधाम नगर स्थित साईं बाबा मंदिर में बाबा का दरबार सजा, भक्ति गीतों की भजन संध्या हुई। पूरे मंदिर को पुष्पों से सजाया, आकर्षक विद्युत सज्जा की गई वहीं भंडारा हुआ जिसमें हजारों भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की।

कार्यक्रम संयोजक दीपक बेलानी के अनुसार समारोह के मुख्य अतिथि निगम सभापति कलावती यादव, वरिष्ठ समाजसेवी नारायण यादव, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, गजेन्द्र खत्री, पार्षद दिव्या नरेश बलवानी, पूर्व पार्षद रिंकू दीपक बेलानी रहे। इस दौरान साईं मंदिर के ट्रस्टी ओम बंसल, अनूप सिंघल, जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष भरत पोरवाल, प्रेमसिंह यादव, मनोहर दूधवानी, साईं सेवा समिति के अध्यक्ष रमेश परवाल, सचिव हेमेंद्र खंडेलवाल, एडवोकेट आरसी परिहार, मोहनलाल शाह, राजेंद्र पटेल, सुरेंद्र सोलंकी, बहादुर सिंह राठौर, दीपक बेलानी, सत्यनारायण शर्मा, संजय सोडाणी, गोपाल बलवानी, पीयूष मालवीय, मोहनलाल शाह, सुरेश सोलंकी, सुरेन्द्र मालवीय, अशोक राजवानी सहित बड़ी संख्या में साईं भक्त मौजूद रहे। पूजन पंडित जयंत द्विवेदी, पंडित आकाश शर्मा द्वारा संपन्न कराई गई। साईं मंदिर में बाबा की महाआरती के पश्चात भंडारा प्रारंभ हुआ। इस दौरान सहित बड़ी संख्या में साईं भक्त शामिल हुए। समारोह में ज्वलंत शर्मा ग्रुप द्वारा भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें भक्त भाव विभोर होकर झूमे।

मोगिया आदिवासी समाज की हुई बैठक समाज को लेकर कई मुद्दों पर की चर्चा

उज्जैन। नयापुरा स्थित समाज की धर्मशाला में मध्यप्रदेश मोगिया आदिवासी समाज द्वारा रामनवमी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। हवन पूजन कर प्रसादी का वितरण किया गया। जिसके बाद सामाजिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान बैठक में उज्जैन शाहिद मंदसौर, रतलाम, देवास आदि जिलों के गणमान्य समाजजन उपस्थित हुए।बैठक में समाज के वरिष्ठ जनों की सहमति से निर्णय लिया गया है कि पूर्व की प्रदेश कार्यकारणी का कार्यकाल पूर्ण होने पर नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

नंदराम सोलंकी, मांगीलाल चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज द्वारा आगामी 25 मई 2025 तक समाज मैं रिक्त पद प्रदेश स्तरीय कार्यकारणी व प्रदेश अध्यक्ष पद समाजजनों के द्वारा चुनाव संपन्न करा कर नवीन अध्यक्ष व कार्यकारिणी का गठन किया जावेगा। साथ ही 3 वर्ष से निर्माण कार्य का इंतजार कर रही समाज की धर्मशाला का उद्धार भी करना होगा इस कार्य हेतु केंद्रीय समिति एवं समस्त समाज बंधुओ द्वारा धर्मशाला निर्माण हेतु नवीन धर्मशाला निर्माण समिति का गठन किया गया।जिसमें निम्न अनुसार पदाधिकारी रहेंगे अध्यक्ष भंवर सिंह डाबी, सचिव प्रहलाद सिंह भाटी, कोशा अध्यक्ष बाबूलाल मकवाना, एवं अन्य सदस्य गण मांगीलाल चौहान, शंभू सिंह चौहान नजरपुर, सुरेश पंवार पानखेड़ी, नाथू सिंह भाटी, मुकेश कुमार भाटी, बद्री लाल पंवार, मनोहर सिंह चौहान, रमेशचंद्र पंवार, गोविंद राठौड़, रूप सिंह भाटी, रतनलाल डाबी, बद्री लाल भाटी, निर्भय सिंह चौहान, कालूराम सोलंकी, विक्रम सिंह चौहान, नंदराम सोलंकी, मेहरबान सिंह राठौर, मणि शंकर चौहान उपरोक्त समिति धर्मशाला निर्माण का कार्य करने हेतु सक्षम रहेगी। सामाजिक बैठक में उज्जैन जिले से श्री मांगीलाल चौहान, श्री राधेश्याम चौहान, श्री डॉ. करणसिंह डाबी, श्री नारायण सिंह चौहान, श्री रमेश चंद्र चौहान, श्री मदन लाल डाबी,श्री मेहरबान सिंह भाटी,श्री तरुण डाबी, श्री भेरूलाल भाटी, श्री किशोर भाटी, श्री रघुनंदन चौहान, श्री रतन सिंह चौहान, श्री सरदार डाबी, श्री राहुल पंवार पानखेड़ी, श्री मेहरबान सिंह चौहान, श्री जसवंत राठौर, श्री दिनेश डाबी सुथी, श्री दिलीप चौहान माकड़ोन, श्री दीपक भाटी, श्री धर्मेंद्र सिंह चौहान, श्री बंटी सोलंकी, श्री रविंद्र डाबी अतः सामाजिक बैठक में उपरोक्त अनुसार जिलों से गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए थे बैठक का आभार श्री शंभू सिंह चौहान नजरपुर द्वारा किया गया।

श्रीमद् भागवत कथा में मनाया श्री राम, श्री कृष्ण जन्म उत्सव

उज्जैन। श्री मायापति हनुमान जन्मोत्सव के अंतर्गत 10 दिवसीय आयोजन के अंतर्गत श्रीमद् भागवत कथा में चतुर्थ दिवस पर श्री राम जन्म व श्री कृष्ण जन्म उत्सव मनाया गया।

मंदिर के पुजारी गणेश राय ने बताया कि कथा का रसपान रामघाट स्थित श्री मदन मोहन मंदिर के पुजारी भाई गिरीश गोविंद शर्मा द्वारा कराया जा रहा है। कथा के मुख्य यजमान वैभव सोलंकी, शरद दुबे, अतुल वारे द्वारा पूजन किया गया। बड़े धूमधाम से राम जन्म एवं कृष्ण जन्म कथा पूर्ण की गई। कथा की आरती में नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष हर्षवर्धन कुशवाह मित्र मंडली एवं मंदिर परिवार के अशोक चौधरी, रमेशचंद्र राय, अस्सु तिलक, अंकित शर्मा, यश राय, त्रिलोक यादव, सत्यप्रकाश पंचोली, शुभम शर्मा, गौरव शर्मा, शुभम राजपूत आदि का विशेष सहयोग रहा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com